प्रेसनोट

मुख्यमंत्री ने श्री गोरखनाथ मन्दिर, गोरखपुर में होलिकोत्सव का शुभारम्भ किया

होली उत्साह, उमंग और समरसता का पावन पर्व, हजारों वर्षों की इस विरासत को संरक्षित करके हमारे पूर्वजों और भारत की ऋषि परम्परा ने हमें सौंपा : मुख्यमंत्री

यह पर्व तभी आयोजित हो पाते, जब समाज में शांति, सौहार्द, सुरक्षा का भाव और एक विश्वास होता, उ0प्र0 और पूरा देश आज इस विश्वास के साथ आगे बढ़ा

आजादी के अमृत काल में प्रधानमंत्री जी जैसा यशस्वी मार्गदर्शक और नेतृत्व हमें प्राप्त हुआ, उनके नेतृत्व में हमें एक नये भारत के दर्शन हो रहे

उ0प्र0 में 01 लाख 61 हजार से अधिक स्थानों पर होलिका दहन के सभी कार्यक्रम शांतिपूर्ण और उत्साह के साथ संपन्न हुए

भगवान श्री हरि विष्णु के एक महत्वपूर्ण अवतार 'भगवान नरसिंह'

समाज में अराजकता, अव्यवस्था और अशांति का दमन करने, दुर्जन शक्ति को परास्त करने के साथ-साथ सज्जन शक्ति का संरक्षण करने और सकारात्मक भाव को प्रोत्साहित करने के लिए ईश्वरीय अवतार एक नई प्रेरणा प्रदान करते

गोरखपुर :: 04 मार्च, 2026 :: उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ जी ने कहा कि होली उत्साह, उमंग और समरसता का पावन पर्व है। हजारों वर्षों की इस विरासत को संरक्षित करके हमारे पूर्वजों और भारत की ऋषि परम्परा ने हमें सौंपा है। वर्तमान पीढ़ी उसी उमंग और उत्साह के साथ इस परम्परा को आगे बढ़ा रही है। आज पूरे प्रदेश में बुजुर्ग, युवा, महिला, पुरुष सहित हर तबके का व्यक्ति और हर सनातनी इस पावन पर्व के साथ जुड़कर आनंद की अनुभूति कर रहा है। प्रत्येक व्यक्ति अपने मनमुटाव या वैरभाव को समाप्त करके समरस समाज की स्थापना की दिशा में नए प्रयास को आगे बढ़ा रहा है।

मुख्यमंत्री जी आज श्री गोरखनाथ मन्दिर, गोरखपुर में परम्परा के अनुसार होलिकोत्सव का शुभारम्भ करने के उपरान्त मीडिया प्रतिनिधियों को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि उत्सव और उमंग के यह पर्व तब आयोजित हो पाते हैं, जब समाज में शांति, सौहार्द, सुरक्षा का भाव और एक विश्वास होता है। उत्तर प्रदेश और पूरा देश आज इस विश्वास के साथ आगे बढ़ा है। हम सब इस बात पर गौरव की अनुभूति कर

सकते हैं कि हमें आजादी के अमृत काल में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी जैसा एक यशस्वी मार्गदर्शक और नेतृत्व प्राप्त हुआ है। उनके नेतृत्व में हमें एक नये भारत के दर्शन हो रहे हैं। यह नया भारत 'विकसित भारत' बनने की दिशा में अग्रसर हुआ है। प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में भारत पूरी मजबूती के साथ विरासत और विकास की प्रक्रिया का हिस्सा बना है। देश 'आत्मनिर्भर और विकसित भारत' की परिकल्पना को साकार कर रहा है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि होली उत्साह और उमंग का पर्व है। जब हम अनुशासित रहते हैं, तो यह उत्साह कई गुना बढ़ जाता है। यह उत्साह, उत्सव में बदल जाता है। होली का यह पर्व उसी उत्सव का प्रतीक बनना चाहिए। पूरे देश व प्रदेश भर में हर जगह होली खेली जा रही है। पूरी मर्यादा और अनुशासन के साथ इस पर्व के साथ हम सब जुड़ रहे हैं। प्रदेश में होलिका दहन के सभी कार्यक्रम सकुशल सम्पन्न हुए हैं। उत्तर प्रदेश में 01 लाख 61 हजार से अधिक स्थानों पर होलिका दहन के कार्यक्रम शांतिपूर्ण और उत्साह के साथ संपन्न हुए हैं।

मुख्यमंत्री जी ने सभी को होली पर्व की बधाई देते हुए कहा कि भगवान श्री हरि विष्णु के एक महत्वपूर्ण अवतार 'भगवान नरसिंह' है। समाज में जहां कहीं भी अराजकता, अव्यवस्था और अशांति है, उसका दमन करने, दुर्जन शक्ति को परास्त करने तथा नकारात्मक भाव का शमन करने के साथ-साथ सज्जन शक्ति का संरक्षण करने और सकारात्मक भाव को प्रोत्साहित करने के लिए ईश्वरीय अवतार एक नई प्रेरणा प्रदान करते हैं। हर कालखण्ड में यह अवतार किसी ना किसी रूप में हम सबके सामने होते हैं। यदि हम भी उनके अनुरूप भक्त प्रह्लाद, माता शबरी, हनुमान जी और अर्जुन के रूप में अपनी भूमिका का ईमानदारीपूर्वक निर्वहन करेंगे, तो समाज में सकारात्मक शक्तियां मजबूत होंगी। नकारात्मक ताकतें परास्त होकर पराभव की ओर अपने आप चली जाएंगी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आने वाली पीढ़ियां समरसता के पावन पर्व होली को इसी उमंग और उत्साह के साथ अनंत काल तक ऐसे ही आयोजित करती रहेंगी।